12 भारत का इतिहास-संस्कृति
(Indian History – Culture)

परिवार के इतिहास के बारे में तीसरी कक्षा में जान लिया है न! परिवार में दादाजी, दादाजी के पिता के बारे में कैसे जानेंगे? अपने बड़े बुजुर्गों से पूछने पर उनके परिवार का इतिहास अर्थात परिवार में कौन-कौन हैं? उस परिवार का नाम और प्रसिद्धि? वह परिवार पहले कहाँ निवास करता था? किस तरह के घरों में रहता था? वे किस तरह के कपड़े पहनते थे? किस तरह का भोजन करते थे? जैसे अनेक विषय हमें मालूम होते हैं। उसी तरह हर गाँव का एक इतिहास होता है। उस गाँव को वह नाम कैसे आया? उस गाँव की क्या विशेषताएँ हैं? पहले जमाने में वह गाँव कैसा था? जैसे अनेक विषय हम बड़ों से जानते रहते हैं। इस तरह गुजरे हुए अनेक विषय इतिहास बताता है।

12.1. प्राचीन इतिहास

आदि काल से मानव का विकास कालक्रम के अनुसार होता चला गया। इस चित्र में मानव विकास के काल क्रम को देखा जा सकता है। इसका निरीक्षण कीजिए। कक्षा में चर्चा कीजिए।

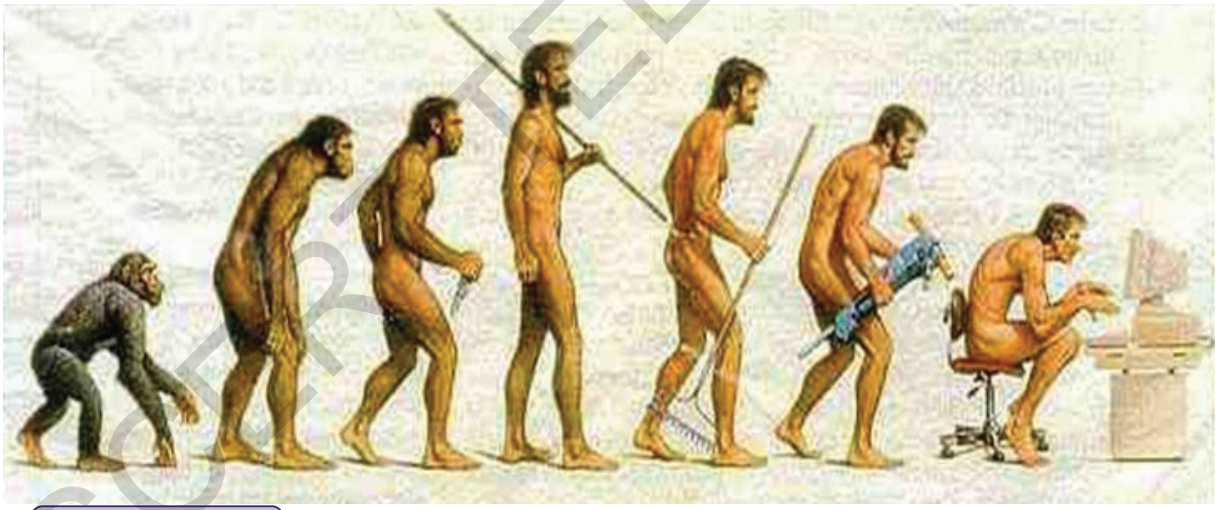

सोचिए...

- ऊपर के चित्र देखने पर तुम्हें कैसा लग रहा है?
- उस समय के, आज के मनुष्यों के बीच क्या अंतर है?

आदिम मानव खानाबदोश थे, यानी वे भोजन और आश्रय की तलाश में झुंड बनाकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते थे। पर्वत की गुफाओं, बड़े पेड़ों के बीच निवास करते थे। जानवरों का शिकार करके कच्चा

SCERT TELANGANA

मांस खाते थे। क्रमशः आग की खोज के कारण भोजन पकाकर खाते थे। कृषि करना आरंभ कर दिए। पशुपालन करने लगे। मिट्टी के पात्र बनाकर भोजन पकाते थे। वे सामग्री मिट्टी के पात्रों में रखते थे। इन मिट्टी के पात्रों का सुंदर अलंकरण करते थे। खाद्य-संग्राहक से खाद्य-उत्पादक की अवस्था तक पहुंच गए। पहिये की भी खोज की। इसके कारण मानव जीवन में अनेक परिवर्तन हुए। किसलिए सोंचिए।

12.2. भारत का इतिहास

परिवार का इतिहास, गांव के इतिहास की तरह भारत का भी एक इतिहास होता है। भारत में प्राचीन काल से घटित अनेक घटनाएं, जनता की जीवनशैली में आए बदलाव के बारे में बताना ही इतिहास है। फिर इतिहास को कैसे जानें? सोचिए।

इतिहास जानने के लिए पुरातत्व विभाग की ओर से कई खुदाइयां होती हैं। हमारे देश को स्वतंत्रता मिलने से पूर्व ब्रिटेन देश के सर जॉन मार्शल ने 1922 में सिंधू नदी के प्रांत में खुदाई की। इससे हड़प्पा संस्कृति प्रकाश में आई। सिंधू घाटी की सभ्यता नगरीय थी। नगरों का निर्माण योजना बद्ध हुआ था। बड़े भवन, सड़कों का निर्माण क्रम पद्धति से हुआ। हड़प्पा के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था। गेहूं, चावल, बारली मुख्य आहार खेती थी। तांबा, कांसा, शीश, जस्ता धातुओं से विभिन्न प्रकार की वस्तुएं बनाते थे। हड़प्पा के लोग पश्चिम एशिया, मिस्र देशों से व्यापार करते थे। इनका प्रधान बंदरगाह 'लोथल' में था। वे मुख्यतः मातृदेवियों, शिव की पेजा करते थे। वे अपनी भाषा को चित्र-संकेतों में लिखते थे।

सोचिए...

- सभ्यताएं नदियों के किनारों पर ही क्यों विकसित हुई। चर्चा करें, लिखें।
- सिंधू घाटी की सभ्यता की आज की सभ्यता से तुलना कीजिए।

भारत का इतिहास जानने के लिए खुदाइयां ही नहीं, भवन, स्मारक, संग्रहालय, अभिलेख, ग्रंथ उपयोगी होते हैं। प्राचीन काल के अवशेष वस्तुओं का संचय कर एक जगह सुरक्षित रखते हैं। इन्हीं को ऐतिहासिक संग्रहालय कहा जाता है। हैदराबाद का सालारजंग संग्रहालय ऐसा ही है। उसी तरह जनजातीय प्रदर्शनशाला श्रीशैलम में है। इस तरह अपनी संस्कृति परंपराएँ, अपने परंपरागत (वंशानुगत) संपत्ति को जानने में संग्रहालय सहायक हो रहे हैं। ग्रंथ और ग्रंथालय से भी हम इतिहास जान सकते हैं।

हैदराबाद में स्थित सालारजंग वस्तु संग्रहालय

SCERT TELANGANA

समूहों में चर्चा कीजिए-

- संग्रहालयों में जाने पर, संग्रहालयों में क्या-क्या अंश रहते हैं।
- आपके गाँव में संग्रहालय बनाया जाय तो आप उसमें क्या-क्या सुरक्षित रखना चाहेंगे।
- अपने इतिहास को किन विषयों द्वारा जान सकते हैं?
- इतिहास किसे कहते हैं? हमारे पूर्वज कैसा जीवन बिताये हैं? किस तरह जान सकते हैं?

12.3. संस्कृति

हमारे वेश-भूषा, भाषा, त्यौहार, उत्सव, फसलें, खान पान, खेल, गीत आदि संस्कृति को बताने वाले अंश हैं। यदि हम किसी नए स्थान पर जाते हैं तो वहाँ के लोगों की वेश-भूषा और खान-पान अपने जैसा नहीं रहता है। वह उनकी संस्कृति है।

हमारी जीवन शैली, आचार-विचार, दैनिक कार्य, कला, साहित्य आमोद प्रमोद में हमारी संस्कृति दिखाई देती है। बड़ों का आदर करना, दूसरों की सहायता करना, सहायता करने वालों को धन्यवाद कहना, प्रार्थना स्थलों पर प्रार्थना करना ये सब संस्कृति के ही विषय है। पेड़, पक्षी, जानवर, हवा, पानी, अग्नि की आराधना करते हुए हम प्रकृति का आदर करते हैं। 'सभी जीवात्मा समान है' ऐसी भावना से जैव विविधता को महत्व देनेवाली अपनी संस्कृति राष्ट्र के लिए सम्मान सूचक है। विश्वमें भारतीय संस्कृति का विशेष स्थान है, आदर सम्मान है । अपनी अद्‌भुत शिल्पकला से शोभित भवन, प्रार्थनालय, संगीत, नाट्य, चित्रकल, पुराण, इतिहास ये सब हमारी सांस्कृतिक संपत्ति है। हमारी संस्कृति की रक्षा करके आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना है ।

12.4. भारत का इतिहास बताने वाले कुछ स्मारक

अपने देश के इतिहास और संस्कृतियों को बताने वाले स्मारक, प्राचीन अभिलेख, देवालय, स्तूप, भवन, दुर्ग आदि अनेक-अनेक देश में हैं। इनको देखने और वहां के विवरण की जानकारी से इतिहास को समझ सकते हैं। अपने देश के इतिहास से संबंधित कुछ स्मारक देखिए।

सारनाथ स्तूप

अशोक ने सारनाथ स्तूप का निर्माण करवाया। ईंट या पत्थर से बनाया गया मोटे गोल आकार के निर्माण को स्तूप कहते हैं। सारनाथ स्तूप उत्तर प्रदेश राज्य में वाराणासी के निकट सारनाथ में है। यह बहुत प्राचीन स्मारक है।

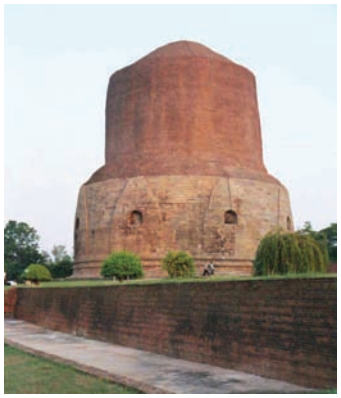

SCERT TELANGANA

अशोक स्तंभ

यह पत्थर का ऊंचा स्तंभ है। इसके सिरे पर चार सिंह बनाए गए थे। अपने सिक्कों पर इसकी मुहर रहती है। चिकने इस शिला स्तंभ में राजस्थानी शिल्प कला दिखाई देती है। वारणासी के निकट चुनार से खोदे गए रेतीले पत्थर से इस सांभ को बनाया गया।

तेलंगाना शहीद स्तूप

यह हैदराबाद में विधान सभा के सामने है। 1969 के तेलंगाना आंदोलन में जो शहीद हुए, उनकी याद में इस स्तूप को बनाकर स्थापित किया गया। यह स्तूप तेलंगाना आंदोलन की चेतना को हमेशा याद दिलाता है।

कुतुब मीनार

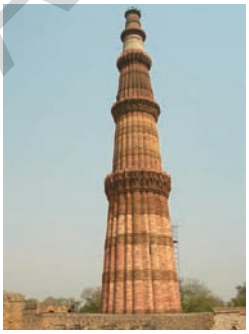

कुतुब मीनार की ऊंचाई 72.5 मीटर है। यह अपने देश की राजधानी दिल्ली महानगर में है। इसका निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने आरंभ किया तो इल्तुतमिश ने पूर्ण किया।

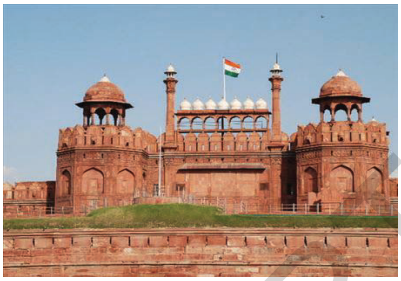

लाल किला

लाल किला अपने देश की राजधानी दिल्ली महानगर में है। आज भी राष्ट्रीय दिवसों में इस पर राष्ट्रीय झंडा लहराते हैं। यह लाल पत्थर से बनाया गया। इसमें फारसी, भारतीय दोनों निर्माण शैलियाँ दिखाई देती हैं।

चारमीनार

चारमीनार अपने राज्य के हैदराबाद महानगर में है। इसकी ऊंचाई 58 मीटर है। इस में चार मीनारें हैं। इसका निर्माण 1591 में हुआ।

हजार खंभा मंदिर

यह अपने राज्य के वरंगल नगर में है। यह काकतीय शासकों के काल का शिवालय है। यह अद्‌भुत शिल्प कला का नमूना है।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए-

- प्रमुख स्मारकों से हम क्या जान सकते हैं?
- इनसे संबंधित और अधिक जानकारी पुस्तकें पढ़कर संग्रह कीजिए और चर्चा कीजिए।

12.5. भारतीय इतिहास के प्रमुख व्यक्ति

मौर्य...

मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चंद्रगुप्त थे। उनका पौत्र अशोक थे। अशोक महानतम शासकों में एक थे। इन्होंने कलिंग युद्ध के बाद दु:खी होकर बौद्ध धर्म स्वीकार किया। अहिंसा मार्ग का उपदेश देते हुए बौद्ध धर्म के प्रसार के लिए प्रयत्न किया। अपने राष्ट्रीय झंडे के बीच का धर्म चक्र अशोक के सारनाथ स्तूप से ही लिया गया है।

Ashoka

गुप्त...

चंद्रगुप्त विक्रमादित्य

ई.पू. 320 में श्रीगुप्त ने गुप्त साम्राज्य की स्थापना की। गुप्त वंश में प्रसिद्ध चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के दरबार में 'नवरत्न' नाम से कविगण रहते थे। इनमें कालिदास महान थे। विश्व-विख्यात एल्लोरा की गुफाएँ इनके काल की हैं। इनके काल में शिल्प कला, चित्रकला का बहुत विकास हुआ।

गणपति देव और रुद्रमा देवी

काकतीय शासकों में गणपति देव और उनकी पुत्री रूद्रमा देवी प्रमुख हैं। इन्होंने सभी तेलुगु भाषियों में एकता स्थापित की। इनके काल में वरंगल का किला, हजार खंभा मंदिर, रामप्पा मंदिर, रामप्पा और पाकाल जैसे जलाशयों का निर्माण हुआ।

रूद्रमा देवी

SCERT TELANGANA

Sri Krishna Devaraya

विजयनगर के राजा...

विजय नगर के राजाओं में श्रीकृष्ण देवराय मुख्य हैं। इन्होंने 1509 से 1529 तक विजयनगर राज्य पर शासन किया। इनके काल में दरबार में 'अष्ट दिग्गज' नामक कविगण रहते थे। वे भी स्वयं कवि थे। इन्होंने आमुक्त मालपदा नामक ग्रंथ की रचना की। 'देश भाषलंदु तेलुगु लेस्सा' (देशी भाषाओं में तेलुगु का महत्व) का नारा इन्होंने ही दिया।

Chatrapati Shivaji

मुग़ल...

अपने देश पर शासन करने वाले मुगल सम्राटों में अकबर प्रमुख है। वे इस्लाम धर्मानुयायी होते हुए भी अन्य धर्मों के प्रति सद्भावना रखते थे। इनके काल में साहित्य एवं प्रशासन का उल्लेखनीय विकास हुआ।

अकबर

मराठा ...

मुगलों से लड़कर मराठा राज्य की स्थापना करने वाले महान वीर थे शिवाजी। इन्होंने ने भी हिंदू धर्मानुयायी होते हुए अन्य धर्मों का आदर करते हुए महान प्रसिद्धि पाई। इन्हीं के काल में तुकाराम, समर्थ रामदास जैसे महान व्यक्ति रहते थे।

निज़ाम शासक ...

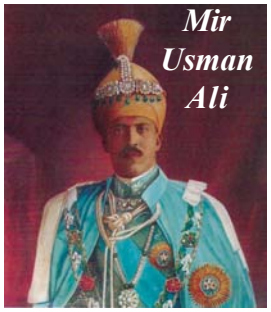

हैदराबाद राज्य पर निज़ाम वंश के शासकों ने शासन किया। वे मुसलमान थे, और दकनी उर्दू में बात-चीत करते थे। इनके राज्य में अधिकतर जनता हिंदू थी, जो तेलुगु, कन्नड़, मराठी बात करते थे। हैदराबाद के अंतिम शासक मीर उस्मान अली खान ने अंग्रेजों के प्रभाव से अपने राज्य में कृषि एवं उद्योगों का विकास किया और अनेक शिक्षा संस्थाओं की स्थापना की है।

निज़ामसागर, अलीसागर जैसे बड़े जल सिंचाई परियोजनाओं को निर्माण किया। 1920 में मूसी नदी पर उस्मानसागर बांध का निर्माण करवाकर, हैदराबाद शहर की जनता को पेयजल की सुविधा उपलब्ध करवाई।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए-

- आपने देश के कुछ महत्वपूर्ण व्यक्तियों के बारे में जाना है। उनकी महानता क्या है?
- इनके द्वारा हमें क्या सीख मिलती है?

मुख्य शब्द:

1. इतिहास
2. संस्कृति
3. आदिम मानव
4. जीवनशैली
5. सभ्यता
6. देश की संस्कृति
7. साम्राज्य
8. शासक
9. अन्य धर्म के प्रति सद्भावना

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

क) आदिम मानव की जीवनशैली, आज की जीवनशैली में समानताएं-अंतर बताइए।

ख) अपने देश के इतिहास को किन-किन आधारों से जान सकते हैं?

ग) हमारे देश के इतिहास से संबंधित स्मारकों की हमें रक्षा करनी चाहिए। क्यों?

घ) अपने देश और राज्य के कुछ प्रसिद्ध व्यक्तियों के बारे में बताइए। वो महान क्यों हैं?

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

- किसी एक प्राचीन स्मारक या दुर्ग देखने के लिए जाने पर इतिहास से संबंधित कौनसे विवरण जान सकते हैं? इसके लिए कौनसे प्रश्न पूछोगे।

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

- आपके गाँव का इतिहास बताने वाले साक्ष्य क्या-क्या हैं? वहाँ जाकर निरीक्षण कीजिए। उसके विवरण बताइए।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- पाठ के आधार पर अपने देश के स्मारकों, महान व्यक्तियों की सूची बनाइए।
- काकतीयों के बारे में और जानकारी प्राप्त करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

SCERT TELANGANA

5. मानचित्र निपुणता, चित्र खींचना, नमूना बनाकर भावाभिव्यक्ति-

अ) इस पाठ में कुछ महत्वपूर्ण स्मारकों के बारे में जान लिए हैं ना। इसमें अपने राष्ट्र से संबंधित मानचित्र में दर्शाएं।

आ) अपने देश के कुछ प्रसिद्ध व्यक्तियों में काकतीय, कुतुबशाही अपने राज्य से संबंधित हैं। इनसे संबंधित प्रांतों को तेलंगाना राज्य के मानचित्र में दर्शाएँ।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता संबंधी जागरूकता

अ) प्राचीन स्मारकों का हमें संरक्षण करना चाहिए। इसके लिए हम क्या कर सकते हैं? बताइए।

आ) आप किस तरह कह सकते हैं कि हमारे देश की संस्कृति महान है?

इ) अपनी संस्कृति से संबंधित कौनसे अंश तुम्हें अधिक पसंद हैं? उनकी रक्षा के लिए आप क्या करोगे?

ई) अपने देश के महान व्यक्तियों में से किसी एक एकल पात्र अभिनय कर प्रदर्शन करें।

उ) आपके द्वारा देखे गए किसी ऐतिहासिक स्थान के बारे में, अपनी अनुभूति लिखिए।

मैं यह कर सकता हूँ?

1.	अपने देश के इतिहास और संस्कृति का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	अपने देश के इतिहास को जानने के लिए आवश्यक प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	ग्राम के इतिहास से संबंधित विवरण संग्रह कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	अपने देश के प्रमुख व्यक्तियों की तालिका बना सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	अपने देश के प्रमुख स्मारक, व्यक्तियों के विवरण मानचित्र में दर्शा सकता हूँ।	हाँ/नहीं
6.	अपनी संस्कृति से संबंधित स्मारकों की रक्षा के लिए प्रत्यन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

रामप्पा मंदिर

SCERT TELANGANA